Email : railsamacharbureau@rediffmail.com, www.railsamacharbureauald.com

रेल समाचार ब्यूरो

भारतीय रेल देश की जीवन रेखा है, इसका आधुनिकीकरण हमारी प्राथमिकता है

R.N.I.No. 51097/90 DN/XXX/18-20 Post AD No. 8

अपने शुभचिंतको को घर पर ही विदा करे, प्लेटफार्म पर नहीं

सम्पूर्ण रेल जगत का प्रथम पाक्षिक

हमें रेलवे की तस्वीर और बेहतर बनानी होगी

वर्ष ३० अंक- १८ प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो १६-३० सितम्बर २०२० पृष्ठ ०८ मूल्य: १० रु.मात्र (रंगीन सहित मूल्य: १५ रु.मात्र)

वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आईपीएस प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए

कोविड-१६ महामारी के दौरान पुलिस का मानवीय पक्ष उभरकर आया सामनेः पीएम

प.सू.का/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपी एनपीए) में दीक्षांत परेड कार्यक्रम के दौरान आईपीएस प्रशिक्षुओं के साथ वीडियो-कॉन्फ्रेंस के माध्यम से बातचीत की। दिनांक ०४.०६.२० को इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि वह अकादमी से पास आउट हो चुके युवा आईपीएस अधिकारियों के साथ नियमित रूप से बातचीत करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे यकीन है कि अपने इस कार्यकाल के दौरान मैं निश्चित रूप से आप सभी से कहीं मिलूंगा। पीएम ने आईपीएस प्रशिक्षुओं (काम सीखने के लिए नियुक्त लोगों) को सफलतापूर्वक अपना प्रशिक्षण पूरा करने की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि युवा आईपीएस अधिकारियों को अपनी वर्दी की ताकत धूमिल करने की बजाय उस पर गर्व होना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपनी खाकी वर्दी के लिए सम्मान कभी कम मत होने देना। उन्होंने कहा कि खासकर कोविड-१६ महामारी के दौरान पुलिस द्वारा किए गए अच्छे कार्यों की वजह से आम लोगों के मन मस्तिष्क में खाकी वर्दी के 'मानवीय' चेहरे को उकेरा गया है। प्रधानमंत्री ने कोविड-१६ महामारी के दौरान उभर कर सामने आए पुलिस के मानवीय पक्ष की सराहना की।

पीयूष गोयल ने एसीएमए के वार्षिक सत्र को किया संबोधित

प.सू.का/नई दिल्ली। केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा रेल मंत्री पीयूष गोयल ने भारतीय ऑटोमोटिव उपकरण निर्माता संघ (एसीएमए) से सहयोग और समन्वय तथा प्रतिबद्धता की भावना के साथ काम करते हुए वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया है। एसीएमए के ६०वें वार्षिक सत्र को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ऑटोमोटिव निर्माताओं ने पिछले कुछ वर्षो में अच्छी तरक्की की है और खुद को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाया है। भारतीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक रुझानों का जिक्र करते हुए पीयूष गोयल ने कहा कि गत महीने रेलवे में हमने पिछले साल की इसी अवधि की तुलना में अपने माल परिवहन को ४ प्रतिशत तक बढ़ाया। उन्होंने कहा संकट के समय में ही हमारे संगठन का सबसे बेहतरीन पक्ष सामने आता है। गोयल ने कहा कि पूरे देश ने दुनिया के साथ कदम से कदम मिलाते हुए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मानिर्भर भारत के आह्वान को पूरी तरह से आत्मसात कर लिया है।

आरपीएफ के जवान राष्ट्रपति द्वारा जीवन रक्षा पदक से सम्मानित

प.सू.का/नई दिल्ली। भारत के राष्ट्रपति ने रेलवे-सुरक्षा बल (आरपीएफ) के जवानों को जीवन रक्षा पदक पुरस्कारों से सम्मानित किया है। सर्वोत्तम जीवन रक्षा पदक (मरणोपरांत) स्वर्गीय जगबीर सिंह, कांस्टेबल/ उत्तर रेलवे ने आदर्शनगर-आजादपुर रेलवे सेक्शन दिल्ली के नजदीक अपनी ड्यूटी के दौरान रेलवे परिसर में ४ बच्चों की जान बचाते हुए अपनी जान दे दी। अदम्यक वीरता का परिचय देते हुए उसने खुद की परवाह किए बिना इन बच्चों की जान बचाई। उत्तम जीवन रक्षा पदक-शिवचरण सिंह, कांस्टेबल /पश्चिम रेलवे ने १०.०८.२०१६ को ट्रेन संख्याी १२६५६ में ट्रेन की पहरेदारी करते हुए देखा कि जब ट्रेन योमखयाली रेलवे स्टेशन के पास पटरियों पर जलभराव के कारण रूकी तो भारी बाढ़ में फंसने के कारण कुछ लोग मदद के लिए चिल्लास रहे थे।शिवचरण सिंह अपनी जान की परवाह किए बिना उनकी मदद के लिए पहुंचा और ०६ व्यक्तियों का बहुमूल्य जीवन बचाया। उत्तम जीवन रक्षा पदक- मुकेश कुमार मीणा हेड कांस्टेबल /उत्तर पश्चिम रेलवे ने १६.०६.२०१८ को ट्रेन संख्या २२४७८ में पहरेदारी के दौरान ०२ बच्चों के साथ एक महिला यात्री की जान बचाने में अनुकरणीय साहस प्रदर्शित किया। मुकेश मीणा ने दौड़ती ट्रेन से छलांग लगाई और महिला यात्री को अपने दोनों बच्चों के साथ प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच के अंतर से बाहर निकाला।

Heartline

Heartline Cardiac Care Centre
14/18, Elgin Road, Near Civil Lines Bus Station
Behind BIG BAZAAR, BSNL Office
Allahabad

For Appointments : 8726209111

● ANGIOGRAPHY ● ANGIOPLASTY ● ECHO
& COLOUR DOPPLER ● TMT ● HOLTER
● PERMANENT PACEMAKER

22 वर्षों से हृदय रोगियों की सेवा में समर्पित
इलाहाबाद का सर्वप्रथम एवं सर्वश्रेष्ठ हृदय रोग चिकित्सा केन्द्र

हार्टलाइन हृदय रोग अस्पताल

14/18, एल्गिन रोड, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद बस अड्डे के पास, बिग बाज़ार के पीछे - मो. 8726209111

हृदय रोग के कारण	हृदय रोग के लक्षण	सुविधा उपलब्ध
धूम्रपान	सीने बाँह व कंधे मे दर्द	ई.सी.जी
रक्तचाप (ब्लड प्रेशर)	बदन या पैरों में सूजन	ईको एवं कलर डॉपलर
मधुमेह (डॉयबिटिस)	खाँसी आना, हाँफना	एक्स-रे
मोटापा	साँस फूलना	होल्टर
मानसिक तनाव	कमजोरी, थकावट	टी.एम.टी.
गतीहीन जीवनशैली	पसीना, बेहोशी आना	स्ट्रेस ईको
हृदय रोग की परिवारिक समस्या	धड़कन बढ़ना	एन्जीयोग्राफी
खून में चर्बी की अधिक मात्रा	चक्कर आना	एन्जीयोप्लास्टी
अनियमित खान-पान	घबराहट होना	पेस्मेकर लगाना

परामर्श का समय : सुबह 9 बजे से 3 बजे तक
अत्याधुनिक उपकरणों से परिपूर्ण गंभीर हृदय रोग कक्ष

24 घण्टे सेवा उपलब्ध

रेल राज्यमंत्री सुरेश अंगड़ी ने किया मालभाड़ा लदान की समीक्षा

रे.स.ब्यूरो./संवा. नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के मालभाड़ा लदान की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से रेल राज्यमंत्री, सुरेश अंगड़ी ने उत्तर एवं उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चौधरी के साथ दिनांक ०६.०६.२० को समीक्षा की। इस बैठक में उत्तर रेलवे के प्रमुख विभागाध्याक्ष और मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक भी शामिल हुए। अगस्त, २०२० तक उत्तर रेलवे द्वारा किए गए मालभाड़ा लदान की स्थिति की सराहना की।

महाप्रबंधक राजीव चौधरी ने बताया कि माल ढुलाई में सुधार के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं और रेलवे बोर्ड द्वारा २०२०-२१ के लिए दिए गए निर्धारित लक्ष्यों को हासिल करने के लिए उत्तर रेलवे काम कर रहा है। महाप्रबंधक ने मौजूदा और संभावित ग्राहकों के साथ निरंतर संवाद के माध्यम से नए ट्रैफिक स्ट्रीम प्राप्त करने में उत्तर रेलवे द्वारा गठित बिजनस डेवलपमेंट यूनिटों के सक्रिय दृष्टिकोण की भी जानकारी दी। सुरेश अंगडी ने कहा कि पीपीपी मोड के तहत माल शेड का विकास रोजगार सृजन को भी बढ़ावा देगा और निर्देश दिया कि हमें अपने प्रस्तावों को अधिक ग्राहक उन्मुख बनाने का प्रयास करना चाहिए।

रेलवे के सिग्नलिंग मैनुअल के संशोधन में उत्तर मध्य रेलवे के भी अधिकारी शामिल

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। सिग्नलिंग भारतीय रेलवे पर परिचालन का एक महत्वपूर्ण अंग माना जाता है। सग्निलिंग मैनुअल के अपडेशन के लिये रेलवे बोर्ड, जोनल रेलवे, रिसर्च विंग और प्रशिक्षण केंद्रों के अनुभवी वरिष्ठ अधिकारियों के परामर्श की आवश्यकता होती है। लॉकडाउन की अवधि के दौरान, रेलवे बोर्ड द्वार इस महत्वपूर्ण कार्य को विविध और समृद्ध अनुभव वाले अधिकारियों की दो समिति का गठन करके सिग्नल इंजीनियरिंग मैनुअल के संशोधन का यह प्रमुख कार्य सौंपा गया था। पहली कमेटी को भारतीय रेल में प्रयुक्त हो रही उन्नत सिगनल तकतीकों को ध्यान में रखते हुये मौजूदा एसईएम के संशोधन का काम सौंपा गया। इस समिति के लिए अरुण कुमार-प्रिंसिपल चीफ सिग्नल एंड टेलीकॉम इंजीनियर उत्तर मध्य रेलवे को भारतीय रेल और इरकॉन पर सिग्नलिंग में उनके व्यापक अनुभव को ध्यान में रखते हुये चुना गया, जिसमें उन्हें कई देशों में सिग्नलिंग की कई परियोजनाओं पर कार्य किया है।

वहीं इस समिति में नीरज यादव-चीफ सिग्नल इंजीनियर उत्तर मध्य रेलवे को, जिन्होने भारतीय रेलवे के सबसे व्यस्त रेलवे में से एक में अपने अभिनव तरीकों से काम करते हुये सिग्नलिंग सिस्टम की विश्वसनीयता में सुधार किया है, को कमेटी मेंबर के रूप में नामित किया गया है।

छात्रों ने किया नौकरी से पहले संविदा का विरोध

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। प्रदेश सरकार की नई नीति जिसमें ३५ में नौकरी, पांच साल की संविदा और ५० में जबरन रिटायरमेंट युवाओं में उबाल का कारण बन रही है। प्रदेश सरकार की तैयारी है कि नौकरी फाइनल करने से पहले अभ्यर्थियों को पहले पांच साल संविदा पर रखा जाए। जिसके बाद समूह ख, ग और घ में नौकरी पाने वालों के लिए इसकी तैयारी की जा रही है। दूसरी ओर जिलाधिकारी कार्यालय पर नाराज छात्रों ने सोमवार दिनांक १४.०६.२०२० को उग्र प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान जब छात्र उग्र हुए तो पुलिस ने बल प्रयोग कर पांच छात्रों को मौके से गिरफ्तार किया। छात्रों ने प्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। इसी बीच छात्रों का प्रदर्शन उग्र होने लगा तो डीएलएड संयुक्त प्रशिक्षु मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रजत सिंह, अश्वनी सिंह, सुनील यादव सहित पांच छात्रों को गिरफ्तार किया गया। बाद में सभी को रिहा किया गया। छात्रों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम का ज्ञापन जिलाधिकारी प्रयागराज के जरिए भेजा है। इसकी सूचना आते ही प्रयागराज में प्रतियोगी छात्रों में उबाल आ गया। सोमवार को सैकड़ों की संख्या में छात्र जिलाधिकारी कार्यालय पहुंचे और नारेबाजी शुरू कर दी। छात्रों ने चेतावनी दी कि प्रदेश सरकार की ऐसी मंशा को पूरा नहीं होने दिया जाएगा। छात्र शक्ति एकजुट होकर इसके लिए आंदोलन करेगी।

अभिनेत्री कंगना का दफ्तर तोड़े जाने पर साधु-संतों ने जताई नाराजगी

प्रयागराज। साधु-संतों ने सिने तारिका कंगना का दफ्तर तोड़े जाने पर गहरी नाराजगी जताई है। इस कार्रवाई को संतों ने दुर्भावना से प्रेरित बताया और कंगना को सुरक्षा मुहैया कराने की हिमाचल सरकार की सराहना की है। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने कहा कि एक विशेष समुदाय के खिलाफ कंगना ने निडर होकर आवाज उठाई है।

माल ढुलाई में रेलवे ने दर्ज की १० प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी

प.सू.का/नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने मिशन के तौर पर काम करते हुए सितंबर २०२० महीने में ६ सितंबर तक पिछले वर्ष की समान अवधि में हुई माल ढुलाई और कमाई के आंकड़ें को पार कर लिया है। सितंबर २०२० के महीने में ६ सितंबर तक भारतीय रेलवे द्वारा माल ढुलाई १६.१६ मिलियन टन हुई जो पिछले वर्ष की इसी अवधि में हुई माल ढुलाई की तुलना में १०.४१ प्रतिशत अधिक है। इस अवधि में भारतीय रेलवे ने माल ढुलाई से १८३६.१५ करोड़ रुपये कमाए जो पिछले वर्ष की समान अवधि की कमाई (१७०६.४७ करोड़ रुपये) की तुलना में १२६.६८ करोड़ अधिक है। सितंबर २०२० के महीने में ६ सितंबर तक भारतीय रेलवे में १६.१६ मिलियन टन की माल ढुलाई हुई जिसमें ८.११ मिलियन टन कोयला, २.५६ मिलियन टन लौह अयस्क,१.२ मिलियन टन खाद्यान्न,१.०३ मिलियन टन उर्वरक और १.०५ मिलियन टन (क्लिंकर को छोड़कर) सीमेंट शामिल है। भारतीय रेलवे ने कोविड-१६ महामारी का उपयोग अपनी समग्र दक्षता और प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए किया है।

खत्म हुआ यूपी में लॉकडाउन

रे.स.ब्यू./सूत्र.लखनऊ। साप्ताहिक बंदी समाप्त करते हुए प्रदेश सरकार ने राज्य स्तर पर रविवार की बाजारों की साप्ताहिक बंदी की पुरानी व्यवस्था लागू कर दी है। सभी होटल व रेस्टोरेंट का संचालन भी कंटेनमेंट जोन को छोड़कर शुरू किया जाएगा। कोरोना संक्रमण से सुरक्षा के सभी मानकों का पालन भी इस दौरान सुनिश्चित किया जाएगा। मंगलवार दिनांक ०८.०६.२०२० को लोक भवन में उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अनलॉक व्यवस्था की समीक्षा के दौरान ये निर्देश दिए। बताया जा रहा है कि अर्थव्यवस्था को रफ्तार देने के लिए ये कदम उठाए गए हैं।

General Manager holds Press Meet on Achievements of Southern Railway

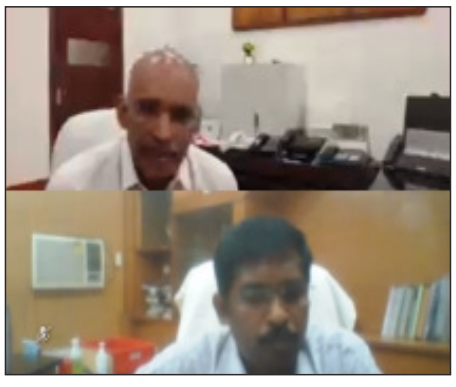

Source/ PR Deptt./ Chennai: General Manager, Southern Railway John Thomas, convened a Virtual Press Meet on 8th of September, 2020. R.Shanmugaraj, AGM, Neenu Ittyerah, Principal Chief Operations Manager, R. Dhananjayulu, Principal Chief Commercial Manager , K. Raveendra Babu, CAO/ Construction/ Chennai Egmore and Prafulla Verma, CAO/ Construction/ Ernakulam participated in the Press Meet. Representatives from Press & Media joined the Press Meet through virtual means.

General Manager made a presentation on the freight initiatives of Indian Railways and various measures taken by Southern Railway to enhance freight traffic. Besides, various achievements of Southern Railway during CoVID lockdown such as running of Parcel Cargo Express trains, Shramik Specials.

गरीब कल्याण रोजगार अभियान के तहत रेलवे ने किए ८,०६,००० से भी अधिक कार्यदिवस सृजित

प.सू.का/नई दिल्ली। गरीब कल्याण रोजगार अभियान के तहत भारतीय रेलवे ने ४ सितंबर, २०२० तक प्रवासी श्रमिकों के लिए बिहार, झारखंड, मध्य प्रदेश, ओडिशा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में कुल ८,०६,०४६ कार्यदिवस सृजित किए हैं। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कोविड के विनाशकारी प्रभाव को झेलने वाले प्रवासी श्रमिकों के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए गरीब कल्याण रोजगार अभियान शुरु किए जाने की घोषणा २० जून, २०२० की थी। रेल एवं वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल इस परियोजना के तहत इन राज्यों में प्रवासी मजदूरों के लिए काम के अवसरों में हुई प्रगति की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं। इन राज्यों में लगभग १६४ रेलवे अवसंरचना परियोजनाओं का निष्पादन किया जा रहा है। रेलवे ने प्रत्येक जिले के साथ ही राज्यों में भी नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं ताकि राज्य सरकारों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित किया जा सके।

इस अभियान में ४ सितंबर, २०२० तक करीब १२,२७६ श्रमिकों को जोड़ा जा चुका है और इन परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए ठेकेदारों को १,६३१.८० करोड़ रुपये का भुगतान जारी किया गया है।

संसदीय राजभाषा समिति ने किया उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक कार्यालय का निरीक्षण

रे.स.ब्यूरो./संवा.नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक कार्यालय का संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति ने दिनांक ११.०६.२०२० को राजभाषा संबंधी निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में समिति के उपाध्यक्ष भर्तहरि महताब, सांसदगण प्रदीप टम्टा, मनोज तिवारी, दुर्गादास उईके, सुशील कुमार गुप्ता व उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चौधरी तथा रेलवे बोर्ड व उत्तर रेलवे के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। कोरोना महामारी के दौरान खाद्यान मालगाड़ियों व श्रमिक ट्रेनों के परिचालन, स्वास्थ्य प्रणाली में सहयोग, कोविड केयर सेंटर स्थापित करने आदि के कार्यो को संसदीय समिति ने सराहनीय कदम माना।

इसके अतिरिक्त समिति ने उत्तर रेलवे के राजभाषा कार्यो की प्रशंसा की व प्रचार-प्रसार के लिए उचित मार्गदर्शन दिया।

उत्तर रेलवे BDU के माध्यम से माल ढुलाई के कारोबार को बढ़ाने के लिए प्रयासरत- राजीव चौधरी

रे.स.ब्यूरो./संवा. नई दिल्ली। उत्तर एवं उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चौधरी ने बताया कि उत्तर रेलवे अपनी व्यावसायिक विकास इकाई (**BDU**) के माध्यम से माल ढुलाई के कारोबार को बढ़ाने के लिए प्रयासरत है। बिजनेस डेवलपमैंट यूनिटों के गठन के अब सकारात्मक नतीजे आने लगे हैं। दिल्ली मंडल की बिजनेस डेवलपमैंट यूनिट के निरंतर प्रयासों और कंपनियों के साथ बेहतर सम्पर्क के परिणाम स्वरूप दो वर्ष के अंतराल के बाद दिनांक १२.०६.२०२० को हरियाणा के गोहाना से उड़ीसा केखुरदा रोड जंक्शन के लिए मोलासेस का लदान कर रूपए ७४,०१,३५४ की आय अर्जित की। चौधरी ने आगे बताया कि छोटे एवं मंझोले व्यापारियों की रेल परिवहन आवश्यकताओं के लिए हर संभव सहायता की जायेगी। उत्तर रेलवे भविष्य में भी कंपनियों के साथ संपर्क बनाए रखकर अपने माल व्यापार को बढ़ाने के प्रयासों को जारी रखेगा।

मंत्रिमंडल ने दिया हरियाणा आर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना को मंजूरी

प.सू.का/नई दिल्ली। आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यपक्षता में पलवल से सोहना-मानेसर-खरखौदा होते हुए सोनीपत तक हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना को अपनी मंजूरी दी है। यह रेल लाइन पलवल से शुरू होगी और मौजूदा हरसाना कलां स्टेशन (दिल्ली -अंबाला खंड पर) पर समाप्त होगी। यह मौजूदा पातली स्टे शन (दिल्ली-रेवाड़ी लाइन पर), सुल्तालनपुर स्टेशन (गढ़ी हरसरू-फारुख नगर लाइन पर) और असौध स्टेशन (दिल्ली -रोहतक लाइन पर) को मार्गस्थ कनेक्टिविटी प्रदान करेगी। यह परियोजना हरियाणा रेल बुनियादी ढांचा विकास निगम लिमिटेड (एचआरआईडीसी) द्वारा लागू की जाएगी, जो रेल मंत्रालय द्वारा हरियाणा सरकार के साथ मिलकर स्थापित की गई संयुक्ता उद्यम कंपनी है। इस परियोजना में रेल मंत्रालय, हरियाणा सरकार और निजी हितधारकों की संयुक्त भागीदारी होगी। इस परियोजना की अनुमानित कार्य समापन लागत ५,६१७ करोड़ रुपये है। इस परियोजना के पांच साल में पूरा होने की संभावना है। इस रेल लाइन से हरियाणा के पलवल, नूह, गुरुग्राम, झज्जर और सोनीपत जिले लाभान्वित होंगे। यह बहु-उद्देशीय परिवहन परियोजना गुरुग्राम और मानेसर, सोहना, फारुख नगर, खरखौदा और सोनीपत के औद्योगिक क्षेत्रों से विभिन्नग दिशाओं में सस्तीर, तेज नियमित यात्रा और लंबी दूरी की यात्रा भी उपलब्ध कराएगी। इस लाइन के माध्यम से प्रत्येक दिन लगभग २०,००० यात्री यात्रा करेंगे और हर साल ५० मिलियन टन माल यातायात की भी आवाजाही होगी।

राष्ट्रभाषा किसी व्यक्ति या प्रांत की संपत्ति नहीं है, इस पर सारे देश का अधिकार है।

सरदार वल्लभ भाई पटेल

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में १६ से ३० सितम्बर तक चलेगा स्वच्छता जागरूकता अभियान

साभार: सूचना विभाग, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे। भारतीय रेलवे द्वारा "स्वच्छ-रेल स्वच्छ-भारत"के तहत स्वच्छता ही सेवा-पखवाडा का दिनांक १६ सितम्बर से ३० सितम्बर, २०२० तक आयोजन किया जा रहा है। इस स्वच्छता -पखवाड़ा दौरान दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में प्रत्येक दिवसों के थीम के अनुसार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। स्वच्छता-पखवाड़ा के दौरान इस आयोजन के सफलतापूर्वक निष्पादन के लिए जोनल एवं मंडल स्तर पर तथा विभिन्न वर्कशॉप में नोडल अधिकारियों को नामित किया गया है, जो अपने क्षेत्र में स्वच्छता को सुनिश्चित करते हुए जोनल एवं मंडल मुख्यालय को अपना रिपोर्ट प्रति दिन प्रस्तुत करेंगे ताकि समग्र जोन की रिपोर्ट मुख्यालय से बोर्ड को भेजी जा सके। इसके साथ ही साथ विभिन्न स्तरों पर तीनों रेल मंडलो के सभी खंडो पर अनेक कार्यक्रमों के साथ सेमिनार आदि भी आयोजित कर जागरूकता फैलाई जायेगी । रेलवे स्टेशनों पर पीए सिस्टम उदघोषणा सीसीटीवी पर विज्ञापन के माध्यम से भी यात्रियो से स्वच्छता अपनाने एवं उनसे भी जागरूकता फैलाने का अनुरोध किया जा रहा है। दिनांक १६ सितम्बर से ३० सितम्बर, २०२० तक चलने वाले इस स्वच्छ-रेल स्वच्छ-भारत पखवाड़ा में मुख्यालय के साथ-साथ तीनों रेल मंडलों में भी इसे मनाये जाने की रूपरेखा बना ली गयी है। तीनों रेल मंडलों में स्वच्छ-रेल स्वच्छ-भारत पखवाड़ा के दौरान स्वच्छता की शपथ एवं पूरे १५ दिनों तक रेलवे के कार्यालय, रेलवे स्टेशन, प्लेटफार्म, ट्रैक, कालोनी, रेलवे तरीकों के दोनो ओर की सफाई आदि सुनिश्चित की जायेगी एवं आसपास के लोगों को स्वच्छता बनाए रखने एवं इसे आदत में शामिल करने सम्बंधित जानकारी एवं जागरूकता फैलाई जायेगी।

दिनांक १६ सितम्बर से ३० सितम्बर, २०२० तक चलने वाले इस स्वच्छ-रेल स्वच्छ-भारत पखवाडा में पूरे १५ दिनों तक आयोजित कार्यक्रम को प्रतिदिन एक अलग-अलग थीम दी गयी है।

सड़क पर उतरे संविदा भर्ती के विरोध में छात्र

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। सरकारी नौकरी में पहले पांच साल संविदा पर समूह 'ख' एवं 'ग' की नियुक्ति दिए जाने के प्रदेश सरकार के प्रस्ताव के विरोध में युवा बेरोजगार सोमवार दिनांक १४.०६.२०२० को सड़क पर उतर आए। इस दौरान बालसन चौराहे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे १० कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया।

हालांकि, सभी को देर शाम निजी मुचलके पर रिहा भी कर दिया गया। युवा मंच के अध्यक्ष अनिल सिंह के नेतृत्व में युवाओं ने सरकारी नौकरी में पहले पांच वर्षो तक संविदा पर नियुक्त किए जाने का प्रस्ताव वापस लेने और रिक्त पदों पर भर्ती पूरी किए जाने की मांग को लेकर बालसन चौराहे पर वहां बड़ी संख्या में छात्र जुटे थे। वहीं युवा मंच के संयोजक राजेश सचान ने कहा कि प्रस्ताव वापस नहीं लेने पर आंदोलन और तेज होगा।

सम्पादकीय

कोविड-१६: वैक्सीन की खोज में बढ़ता भारत

भारत कोविड-१६ की वैक्सीन तैयार करने की ओर कामयाबी के साथ निरंतर आगे बढ़ रहा है। जो दवा भारत बना रहा है, उसे जानवरों में कारगर पाये जाने के बाद अब मनुष्यों में भी परीक्षण की शुरुआत हो चुकी है। आज अन्य देश की तुलना में भारत में वैक्सीन की सर्वाधिक जरूरत है।

हमसे ज्यादा आबादी वाले चीन ने कोरोना पर शिकंजा कस लिया है, पर हम तेजी से सर्वाधिक पीड़ित देश होने की ओर बढ़ रहे हैं। सबसे ज्यादा पीड़ित होने के दाग को हम केवल वैक्सीन विकसित करके ही धो सकते हैं। जब कोरोना की शुरुआत हुई थी, तब भी दुनिया भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रही थी, लेकिन तब भारत में कोरोना का प्रकोप ज्यादा नहीं था। वैक्सीन निर्माण में लगे इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर), नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी और भारत बायोटेक के वैज्ञानिकों की तारीफ करनी चाहिए।

वहीं अब दिल्ली स्थित एम्स में कोवैक्सिन का फेज २ ट्रायल शुरू हो चुका है। एक वॉलंटीयर को वैक्सीन की पहली डोज दी गई है। बहरहाल, खास यह कि कोवैक्सीन कोरोना स्ट्रेन से ही तैयार की गई है और शरीर में जाने के बाद कोरोना के खिलाफ एंटीबॉडी तैयार करती है।

भारत बायोटेक के वैज्ञानिक इसी वैक्सीन की मदद से बंदरों में एंटीबॉडी विकसित करने में कामयाब रहे हैं। २०-२० बंदरों के चार समूहों पर अलग -अलग जगह वैक्सीन को आजमाया गया है। भारत में जो भी दवा आए, पूरी तरह से परखने के बाद आए। इस खोज में धन या संसाधन की कतई कमी नहीं आने देनी चाहिए।

निर्माण की प्रेरणा देते हैं भगवान विश्वकर्मा

विश्वकर्मा भगवान एकमात्र ऐसे भगवान हैं जो संरचनात्मक गुणों के कारण पूजे जाते हैं। ये भगवान अपने भक्तों के बीच अपने शिल्प ज्ञान व कला और सुंदर निर्माण के लिए जाने जाते हैं। ब्रहमा के पुत्र भगवान विश्वकर्मा के बारे में महाभारत में वर्णन किया गया है, देवताओं के शिल्पी, बढ़ई, सभी आभूषणों के डिजाइन्स के जन्मदाता, हस्तकरघा उद्योग के संरक्षक और एक दयालु देवता है भगवान विश्वकर्मा। उनके चार हाथ हैं। उन्होंने मुकुट धारण किया हुआ है। वे सोने के गहनो ंसे लदे हुए है और एक हाथ में पानी का घड़ा पकड़े हुए हैं, दूसरे में किताब, तीसरे में फंदा और चौथे हाथ में औजार पकड़े हुए है।

देवशिल्पी कहे जाने वाले भगवान विश्वकर्मा के विषय में कई जगह अलग-अलग उल्लेख मिलता है। ऋग्वेद में विश्वकर्मा सूक्त के नाम से ११ ऋचाएं लिखी हुई हैं। जिनके प्रत्येक मंत्र पर लिखा है, ऋषि विश्वकर्मा भौवन देवता आदि। यही सूक्त यजुर्वेद के अध्याय १७, सूक्त मंत्र १६ से ३१ तक १६ मंत्रों में उल्लिखित है। स्कंद पुराण के प्रभाव खंड में दिए श्लोक की तरह ही सभी पुराणों में श्लोक मिलता है।

बृहस्पते भगिनी भुवना ब्रहमवादिनी। प्रभासस्य तस्य भार्या वसुनामष्टमस्य च। पर प्राचीन ग्रंथें में विश्वकर्मा शब्द से यही अर्थ निकलता है- विशवं कृत्स्नं कर्म व्यापारा वा यस्य सः। यानी जिसकी सम्यक दृष्टि और कर्म व्यापार है, वही विश्वकर्मा है। यही विश्वकर्मा प्रभु हैं, प्रभूत पराक्रम, विश्वरूप विश्वात्मा है। वेदों में भी कहा गया है विशवतः चक्षुरूत विश्वतोमुखो विश्वतो बाहुरूत विश्वस्पात।

शास्त्रों के अनुसार भक्त अपने तकनीकी ज्ञान की रक्षा करने तथा अध्यधिक उद्यमशील बनने के लिए भगवान विश्वकर्मा की हर साल १७ सितबर को भाद्रपद शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को पूजा करते हैं। यद्यपि यह पूजा कारखानों और अन्य तकनीकी संस्थनों के लिए ज्यादा महत्व रखती है, पर हर इंसान के जीवन में तकनीक शब्द का महत्व भी हैं इसलिए इनकी पूजा घर-घर करने की परंपरा आज भी बनी हुई है।

भगवान विश्वकर्मा को कई हैरतअंगेज निर्माणों के कारण जाना जाता है। हिंदू शास्त्रों में वर्णित है कि चार युगों तक इन्होंने कई महत्वपूर्ण निर्माण किए। स्वर्ग लोक, जहां इंद्र का राज सिंहसान है, त्रेता युग में सोने की लंका, द्वापर युग में द्वारका और कलयुग में हस्तिनापुर और इंद्रप्रस्थ के निर्माण का श्रेय इन्ही भगवान को है। इन दिन सुबह उठकर स्नानादि के पश्चात श्री विश्वकर्मा की प्रतिमा या चित्र की पूजा करने से साधक की कला पर उनकी कृपा दृष्टि रहती है और वह जीवन में कार्यकुशल होते हं। इस दिन इनकी सविधि पूजा-अर्चना करने के पश्चात इनके इस मंत्र का जप करना श्रेयस्कर माना जाता है।

ऊं श्री सृष्टिनाथाय सर्वसिद्धाय विश्वकर्मय नमो नमः। वैसे मान्यता यह भी है कि कोई भी नया काम शुरू करने से पहले इस मंत्र का सात बार जप कर लेना चाहिए। कुल मिलाकर विश्वकर्मा पूजा कल्याणकारी मानी गई है। इसलिए हर प्राणी को शिल्प शास्त्र के रचयिता, विज्ञान के जनक और तकनीक के आराध य इस देव का पूजन अवश्य करना चाहिए कहा भी गया है, 'जगदचक विश्वकर्मन्नीश्वराय नमः।

उत्तर रेलवे द्वारा किया गया नेपाल को चीनी और ऑर्गेनिक खाद का लदान

प.सू.का/नईदिल्ली। उत्तर एवं उत्तर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक राजीव चौधरी ने बताया कि जोनल और मंडल स्तर पर बिजनस डेवलपमेंट यूनिटें खोले जाने के अब सकारात्म क परिणाम आने लगे हैं। उत्तर रेलवे के मुरादाबाद मंडल ने बिजनौर, मुरादाबाद और बरेली माल गोदामों से चीनी के ५ रैक (८७०० टन) नेपाल को भिजवाए हैं। उधर, उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने आदर्श नगर से हटिया के लिए चीनी का लदान शुरू कर दिया है। अब तक, ०२ मिनी रैकों में कुल २६६७ टन ऑर्गेनिक खाद का पश्चिम बंगाल को लदान किया गया है। उन्होंने आगे कहा, कि नेपाल को चीनी का लदान करने से भारत और नेपाल के बीच संबंध मजबूत होंगे। अर्थव्यवस्था के खुलने के बाद अर्थव्यवस्था को गति देने का एक बड़ा दबाव था। भारतीय रेलवे मजबूती से खड़े रहकर अर्थव्यवस्था के पहियों को गति देने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

राष्ट्रीय लॉकडाउन लगाए जाने के बाद इस राष्ट्रीय परिवहन प्रणानी के पहिए ठहर गए थे। सभी क्षेत्रीय रेलों में अग्रणी उत्तर रेलवे ने इस आपदा को एक अवसर के रूप में बदलते हुए माल परिवहन को सड़क से रेल यातायात की ओर लाने के लिए कई कदम उठाए।

कोरोना काल में रेलकर्मियों का नहीं कटेगा वेतन

रे.स.ब्यूरो./संवा.नईदिल्ली। ऐसे कर्मचारी जो लॉकडाउन और कंटनेमेंट जोन की वजह से कार्यालय नहीं पहुंच सके, अब उन्हें ऑन ड्यूटी माना जाएगा, इसके साथ ही कोरोना काल में होम आइसोलेट कर्मचारियों का भी वेतन नहीं कटेगा।

जिससे रेलकर्मियों को बड़ी राहत मिली है। इस संबंध में रेलवे बोर्ड की निदेशक अवस्थापना ने सभी जोनल रेलवे के महाप्रबंधकों को पत्र जारी कर दिया है। जिसमें कहा गया है कि रेलवे प्रशासन ऐसे रेलकर्मियों को विशेष आकस्मिक अवकाश देगा।

बतादें कि बीते कुछ माह के दौरान रेलवे में भी तमाम कर्मचारी कोरोना संक्रमित पाए गए और उनके साथ रहने वाले कर्मचारियों को भी होम आइसोलेट रहना पड़ा था।

केंद्रीय चिकित्सालय, प्रयागराज और मंडल, चिकित्सालय झांसी लेवल -२ कोविड केयर सेंटर में हुआ अपग्रेड

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। कोविड -१६ महामारी से प्रभावी तरीके से लड़ने के लिए उत्तर मध्य रेलवे ने चिकित्सा संबंधी आधारभूत संरचना को सुदृढ़ करने और संसाधनों को बढ़ाने हेतु कई प्रयास किए हैं। फेस कवर और सैनिटाइजर उत्पादन से आगे बढ़ते हुए, उत्तर मध्य रेलवे ने अपने प्रयासों से लगभग १२००० कवरआल तैयार किए हैं। रेल कर्मचारियों, उनके परिवार के सदस्यों और रेलवे चिकित्सा सेवाओं के अन्य लाभार्थियों की स्क्रीनिंग तेज कर दी गई है। और दिनांक ०५.०६.२०२० तक ०५ अलग-अलग क्लीनिकों में बुखार और कोविड -१६ जैसे लक्षणों वाले १२८०० व्यक्तियों की जांच की गई है। कोविड-१६ प्रसार को रोकने के लिए सभी कार्यस्थलों पर स्क्रीजनिंग, सेनिटेशन, सोशल डिस्टेंसिंग आदि जैसी मानक व्यवस्थाएं करने के अलावा तीनों मंडलों यानी प्रयागराज, झांसी और आगरा में मुख्य नियंत्रण कक्ष के समानांतर स्टैंडबाई कंट्रोल रूम को स्थापित किया गया है ताकि, यदि कोविड-१६ के कारण सेनिटेशन हेतु यदि मुख्य नियंत्रण कक्ष में कार्य निलंबन की स्थिति आए तो निर्बाध ट्रेन संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

कोरोना कार्यकाल में पुलिस कर्मियों के तबादले हुए रद्द

रे.स.ब्यूरो./संवा. लखनऊ। कोरोना काल में किए गए तबादलों को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रदेश के प्लोस कर्मियों को राहत देते हुए रद्द कर दिया है। करीब एक साल पहले प्रदेश के विभिन्न जिलों में तैनात दरोगाओ, हेड कान्सटेबिलो व कान्सटेबिलो तबादले एक से दूसरे जनपद में किए गए थे। तब उनको कार्यमुक्त नहीं किया गया था। वहीं जुलाई २०२० में विभाग ने स्थानांतरित पुलिस कर्मियों को कार्यमुक्त करना शुरू कर दिया। वहीं प्रदेश पुलिस विभाग कर्मियों ने अलग-अलग याचिकाएं दाखिल कर अपने तबादला व कार्यमुक्त किए जाने के आदेशों को चुनौती दी थी। वर्ष २०१६ में किए गए इस स्थानान्तरण के आधार पर जून/जुलाई २०२० में कोरोना वायरस महामारी के दौरान कार्यमुक्त होने का आदेश पारित किया गया है। अधिवक्ता का कहना था कि इस प्रकार का पारित आदेश नियम विरुद्ध होने के कारण न्यायसंगत नहीं है।

हिंदी ने आजादी की लड़ाई में निभाई थी महत्वपूर्ण भूमिका-केंद्रीय गृह राज्य मंत्री

प.सू.का/नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा दि. १४.०६.२०२० को हिंदी दिवस मनाया गया जिसमें केंद्रीय गृह राज्यमंत्री जी किशन रेड्डी, केंद्रीय गृह राज्यमंत्री नित्यानंद राय, केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला सहित गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। इस अवसर पर केंद्रीय गृह राज्य मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि हमारे देश में अनेक भाषाएं बोली जाती हैं लेकिन हिंदी की सर्वव्यापकता को देखते हुए संविधान निर्माताओं ने इसे १४ सितंबर १६४६ को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया। रेड्डी ने कहा कि हिंदी ने आजादी की लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और देश के एक बड़े हिस्से में हिंदी भाषा बोली जाती है, संविधान द्वारा राजभाषा का दर्जा प्राप्त होने के कारण हिंदी का महत्व और बढ़ जाता है। अजय भल्ला ने कहा कि गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय अधिक से अधिक कार्य हिंदी में कर रहा है और निरंतर इस दिशा में प्रगति हो रही है।

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन में ई-संगोष्ठी का आयोजन

साभारः कोर प्रयागराज। सूचना विभाग, मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूर संचार इंजीनियर सुरेश कुमार की अध्यक्षता दि. १६.०६.२०२० को केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन,इलाहाबाद में हिंदी भाषा और राष्ट्र विषय पर ई-संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में डॉ.मीनू अवस्थी, एसोसिएट प्रोफेसर वसंत महिला महाविद्यालय काशी हिन्दू विश्व-विद्यालय ने वक्त व्यग दिया। अपने संबोधन में डॉ. अवस्थी ने स्व्भाषा के गौरव और महत्व पर प्रकाश डाला। उन्हों्ने जापान जैसे विभिन्न विकसित देशों का उदाहरण देते हुए कहा कि वे अपनी भाषा का ही प्रयोग करते हैं तथा अपनी भाषा के प्रश्न पर समझौता नहीं करते भले ही अपनी बात दूसरे तक पहुँचाने में उन्हें अनुवाद का सहारा लेना पड़े। उन्हों्ने भाषा के प्रति संवेदनशील होने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। मुख्य राजभाशा अधिकारी सुरेश कुमार ने डॉ.मीनू अवस्थी को कोर परिवार तथा परियोजनाओं की ओर से साधुवाद दिया एवं आभार व्यक्त किया। वेबेक्सक के माध्यम से संगोष्ठी में संगठन के मुख्य राजभाषा अधिकारी, वरिष्ठ उपमहाप्रबंधक, प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, प्रमुख मुख्य इंजीनियर सहित अन्य अधिकारियों कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ् राजभाषा अधिकारी सुनीला यादव ने किया।

'स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा' के अंतर्गत डीरेका में विविध कार्यक्रम का आयोजन

जनसम्पर्क विभाग, डीरेका/ वाराणसी। गांधी जयंती के उपलक्ष्य में रेल मंत्रालय, भारत सरकार के दिशा निर्देशानुसार सम्पूर्ण भारतीय रेल में दिनांक १६ से ३० सितम्बर तक आयोजित 'स्वच्छ ता ही सेवा पखवाड़ा' की श्रृंखला में दिनांक १६ सितम्बर को डीजल रेल इंजन कारखाना में स्वच्छ जागरूकता के तहत विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इसी परिप्रेक्ष्य में सम्पूर्ण डीरेका परिसर में शपथ ग्रहण, वृक्षारोपण, श्रमदान इत्यादि कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बैनर, पोस्टर, पम्फलेट, एसएमएस, व्हाट्सएप इत्यादि के माध्यम से व्यापक जागरूकता एवं प्रचार प्रसार किया गया। इस अवसर पर स्वयंसेवी संगठनों द्वारा मास्क एवं सैनिटाइजर का वितरण भी किया गया। कोविड-१६ महामारी की दृष्टिगत डीरेका द्वारा गृह मंत्रालय, भारत सरकार, राज्य सरकार व जिला प्रशासन के दिशा निर्देशों को आत्मरसात करते हुए पखवाड़ा के दौरान विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है।

लेखकों से

राष्ट्रीय, सामजिक, फिल्म व्यंग्य आदि विषयों पर अ. प्रकाशित लेख प्रकाशन हेतु आमंत्रित है। अपने हस्तलिखित लेख कागज की एक ओर साफ अक्षरों से भेजें। प्रधान सम्पादक

सांसद हेमा मालिनी ने किया मथुरा स्टेशन पर लिफ्ट और एस्केलेटर का उद्घाटन

साभार उमरे/जनसम्पर्क विभाग प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे। मथुरा जंक्शन पर नवस्थापित एक लिफ्ट और प्लेटफार्म स. -०१ पर एक एस्केलेटर में का उद्घाटन दिनांक ११.०६.२० को आयोजित एक वर्चुअल उद्घाटन समारोह में, मथुरा से संसद सदस्य, हेमा मालिनी ने किया। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सांसद द्वारा उद्घाटन की गइ सुविधाएं मथुरा और वृंदावन के पवित्र शहर में बड़ी संख्या में आने वाले पर्यटकों और अन्य यात्रियों को सेवित करने वाले मथुरा जंक्शन पर यात्री सुविधाओं की वृद्धि है।

कोविड -१६ स्थिति के बावजूद उत्तर मध्य रेलवे ने चालू वित्त वर्ष के दौरान यात्री सुविधाओं से संबंधित कई महत्वपूर्ण कार्य पूरे किए हैं। वित्त वर्ष २०२०-२१ में यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा हेतु विभिन्न स्टेशनों पर ०५ फुट ओवर ब्रिज और ०५ हाई लेवल प्लेटफार्म के कार्य पूरे किए गए हैं। अगस्त -२० में टीकमगढ़ स्टेशन को आदर्श स्टेशन के रूप में अपग्रेड करने के साथ, अब रेलवे के कुल ४२ चिन्हित स्टेशनों में से ४१ स्टेशनों को आदर्श स्टेशन के अनुरूप परिवर्तित किया जा चुका है। आगरा मंडल के गोवर्धन स्टेशन के आदर्श स्टेशन के रूप में परिवर्तन का कार्य चल रहा है और नवंबर -२०२० तक पूरा होने की उम्मीद है।

सहायक सिग्नलिंग कार्य

ई-निविदा सं.: एसएनटी-21-एलएमजी-2020-21, दिनांक: 04-09-2020। अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम एवं उसका स्थान:** लामडिंग मंडल के सिलचर स्टेशन पर सीमेन्स ईआई के बदलाव के साथ सहायक सिग्नलिंग कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 1,56,73,357.78। **बयाना राशि:** ₹ 2,28,400। **ई-निविदा बंद होने की तारीख एवं समय:** दिनांक 30-09-2020 को अपराह्न 3.00 बजे। **ई-निविदा खुलने की तारीख एवं समय:** दिनांक 30-09-2020 को अपराह्न 3.30 बजे। विवरण हेतु कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

वरि. मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, लामडिंग

पूर्वोत्तर सीमा रेल

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

उमरे में क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ऑनलाइन बैठक आयोजित

साभार उमरे/जनसम्पर्क विभाग। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में महाप्रबंधक राजीव चौधरी की अध्यक्षता में राजभाषा पखवाड़ा समारोह का शुभारंभ कार्यक्रम एवं क्षेत्रीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की ऑनलाइन बैठक संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए महाप्रबंधक ने कहा कि हिंदी हमारी अस्मिता एवं पहचान की भाषा है। हिंदी सदियों से भारतीय भाषाओं और बोलियों के बीच एक सेतु की भूमिका निभा रही है, इसलिए यह पूरे देश की संपर्क भाषा है। चौधरी ने कहा कि यदि अपनी भाषा में विचारों की सशक्त अभिव्यक्ति की जाए, तो इसका संप्रेषण अत्यधिक प्रभावी होता है। चौधरी ने कहा कि कोरोना महामारी जैसे अभूतपूर्व संकट के दौर में, हमने मुश्किल में फँसे आम यात्रियों, प्रवासी श्रमिकों और जरूरतमंद लोगों की, उनके गंतव्य तक निरंतर सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित कर उन्हें पूरे अंतर्मन के साथ सभी अपेक्षित सुविधाएं और सूचनाएं हिंदी या द्विभाषी में उपलब्ध कराई हैं।

महाप्रबंधक चौधरी ने सभी प्रधान मुख्य् विभागाध्यकक्षों को राजभाषा अधिनियम की धारा ३(३) का अनुपालन और सभी प्रकार के पत्रचार, टिप्पणियाँ, रजिस्टरों में इंदराज, डिक्टेशन, निरीक्षण रिपोर्ट आदि में हिंदी अथवा द्विभाषी रूप के प्रयोग में हासिल प्रगति को बनाए रखने और अपेक्षित लक्ष्य को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने ई-आफिस में सभी कार्य संकल्प के तौर पर हिंदी में करने तथा हिंदी में प्रवीणता प्राप्त सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपना समस्तं सरकारी कामकाज हिंदी में करने के भी निर्देश दिए।

बैठक के प्रारंभ में मुख्य राजभाषा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य वाणिज्य प्रबंधक महेन्द्र नाथ ओझा ने कहा कि भारतेन्दु हरिश्चंन्द्र नवजागरण के वह सूर्य थे जिन्होंने देश भक्ति की भावना को देशभाषा और बोलियों के उत्थान और ब्रिटिश राज की अत्याचारी हुकूमत के विरोध के स्वर को राष्ट्र चेतना से जोड़ा।

भारतेन्दु जनभाषा के समर्थक थे इसलिए उन्होंने अपने साहित्य में फारसी लफ्जों की जगह आम बोलचाल शब्दों का प्रयोग किया। भारतेन्दु के निबंधों में राष्ट्भाषा की प्रथम परिकल्पंना देखने को मिलती है।

बैठक में अपर महाप्रबंधक रंजन यादव सहित सभी प्रधान विभागाध्यक्ष, मंडलों के अपर मंडल रेल प्रबंधक, कारखानों के मुख्ये कारखाना प्रबंधक एवं अन्य सदस्य अधिकारी ऑनलाइन माध्यम द्वारा उपस्थित थे।

बैठक का संचालन वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी चन्द्र भूषण पाण्डेय द्वारा किया गया तथा उप मुख्य राजभाषा अधिकारी शैलेन्द्र कुमार सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

साधु-संतों से सीएम ने किया वादा, होगा माघ मेले का आयोजन

रे.स.ब्यूरो./सुत्र लखनऊ कोविड-१६ की वजह से संगम की रेती पर संतों-भक्तों के समागम वाले माघ मेले की परंपरा नहीं टूटने पाएगी। दिनांक ११.०६.२०२० को अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के संतों के प्रतिनिधिमंडल से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुलाकात के दौरान यह भरोसा दिलाया। कोविड-१६ की वजह से इस बार माघ मेले की तैयारियां अब तक शुरू न होने से इस बड़े धार्मिक-सांस्कृतिक आयोजन को लेकर संतों-भक्तों और तीर्थ पुरोहितों ने परंपरा बचाने के लिए सीएम से कई बार गुहार लगाई थी। इस आध्यात्मिक और सांस्कृति महत्व वाले मेले को लेकर अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि, महामंत्री महंत हरि गिरि, महंत धर्मदास, महंत राजेंद्र दास, महंत नीलकंठ गिरि, महंत आशुतोष गिरि एवं अन्य सदस्यों ने लखनऊ में मुख्यमंत्री से मुलाकात की। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरि के मुताबिक सीएम ने गाइड लाइन के तहत माघ मेला कराने का आश्वासन दिया है। संतों ने मुख्यमंत्री से माघ मेला -२०२१ के आयोजन को कराने के अलावा पौराणिक प्रयागराज परिक्रमा के बारे में विस्तार से वार्ता की। परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अश्वासन दिया है कि माघ मेला अपने समय पर ही होगा।

लामडिंग मंडल में सहायक सिग्नलिंग कार्य

ई-निविदा सं.: एसएनटी-23-एलएमजी-2020-21, दिनांक: 10-09-2020। अधोहस्ताक्षरी द्वारा नीचे उल्लेखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। **कार्य का नाम एवं उसका स्थान:** यार्ड में एक समान दिशा एक साथ रिसिप्शन सुविधा के लिए डेड इंड के प्रावधान सहित बदरपुर जंक्शन यार्ड लेआउट की रिमॉडलिंग तथा पैसेंजर प्लेटफॉर्म के विस्तार के संबंध में सहायक सिग्नलिंग कार्य। **निविदा मूल्य:** ₹ 91,03,537.93। **बयाना राशि:** ₹ 1,82,100। **ई-निविदा बंद होने की तारीख** एवं **समय:** 05-10-2020 को अपराह्न 3.00 बजे। **ई-निविदा खुलने की तारीख** एवं **समय:** 05-10-2020 को अपराह्न 3.30 बजे। विवरण हेतु कृपया वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखें।

वरि. मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, लामडिंग

पूर्वोत्तर सीमा रेल

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कार्यों में लापरवाही पाये जाने पर होगी कड़ी कार्रवाई- मण्डलायुक्त

साभारः सूचना विभाग, प्रयागराज। मण्डलायुक्त आर० रमेश कुमार की अध्यक्षता में आयुक्त कार्यालय में मण्डलीय समीक्षा बैठक आयोजित की गयी। बैठक में मण्डलायुक्त ने सभी विभागों के सम्बंधित अधिकारियों को उपलब्ध धन के सापेक्ष निर्माण कार्यों को गुणवत्ता एवं समयबद्धता के साथ पूर्ण करने एवं संचालित योजनाओं को पारदर्शी ढंग से क्रियान्वित करते हुए पात्रों को लाभान्वित कराये जाने का निर्देश दिया है। मण्डलायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों को हिदायत देते हुए कहा कि कार्यों में लापरवाही या उदासीनता कदापि न बरती जाये। उदासीनता या लापरवाही पाये जाने पर सम्बंधित अधिकारी के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। बैठक में सिंचाई विभाग के कार्यो के तहत नहरों में टेल तक पानी पहुंचाने तथा सिल्ट सफाई के कार्यो की समीक्षा के दौरान अधिशाषी अभियंता नहर प्रखण्ड के द्वारा बताया गया कि मण्डल में कुल ५ हजार किमी० की सिल्ट सफाई का कार्य १५ अक्टूबर से १५ दिसम्बर तक किया जाना है। मण्डलायुक्त ने सिल्ट सफाई के कार्यो की योजना बनाकर निर्धारित समय के अनुसार कार्य को कराये जाने हेतु सभी आवश्यक तैयारियां समय से सुनिश्चित कर लिए जाने का निर्देश दिया है, साथ ही साथ उन्होंने नहरों में रोस्टर के अनुसार टेल तक पानी पहुंचाये जाने का भी निर्देश दिया है।

सेंट जॉन एम्बुलेंस ब्रिगेड टीम ने कोरोना वायरस के प्रति लोगों को किया जागरूक

सतीश कोठारी बने उत्तर मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर

रे.स.ब्यूरो./संवा. प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में प्रमुख मुख्य बिजली इंजीनियर, का पदभार सतीश कोठारी ने ग्रहण किया। सतीश कोठारी इस पद से पूर्व डी. एफ.एफ.सी.एल में ग्रुप महाप्रबंधक/ प्रशासन के पद पर कार्य करते हुये कई कीर्तिमान स्थापित किये है। यह पद अनुपम सिंघल के राईट्स में स्थानांतरण होने के कारण रिक्त हुआ था। कोठारी भारतीय रेलवे इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सेवा के १९८६ बैच के अधिकारी हैं। कोठारी वर्ष १९८६ में इलेक्ट्रिक इंजीनियरिंग में बी.ई(आनर्स) की पढ़ाई मालवीय रीजनल इंजीनियरिंग कालेज, जयपुर (वर्तमान में एम.एम.आई.टी), वर्ष १९८७ में भाभा एटामिक रिसर्च सेंटर में न्यूक्लीयर इंजीनियरिंग एवं साइंसेस का एक वर्ष का ओरियंटेशन कोर्स तथा वर्ष २०११ में नई दिल्ली के आई.आई.पी.ए से पब्लिक अड्मिनिस्ट्रेशन में स्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की है।

इन्होने अपने सेवाकाल के दौरान डी.एम.आर.सी में जेजीएम/ एजीएम मेंटेनेंस एवं मुख्य बिजली इंजीनियर आई.टी.आर.पी.डी, उत्तर रेलवे में मुख्य इलेक्ट्रिकल और वितरण इंजीनियर, पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के लुम्डिंग मण्डल में अपर मण्डल रेल प्रबंधक, उत्तर पश्चिम रेलवे में मुख्य बिजली सेवा इंजीनियर/ सीईजीई एवं एनटीपीसी में रेलवे की ओर से आफिसर ऑन स्पेशल ड्यूटी जैसे महत्वपूर्ण पदो पर कार्य करते हुये अपनी सेवा प्रदान की है।

जोनल रेल कार्यालय में ऑनलाइन भाषण प्रतियोगिता संपन्न

रे.स.ब्यू./सूत्र. बिलासपुर। राजभाषा सप्ताह जोनल रेल कार्यालय में आयोजित वाक प्रतियोगिता दिनांक १६.०६.२०२० को ऑनलाइन संपन्न हुई। प्रतियोगिता के लिए हिंदी की दशा एवं दिशा, आज के दौर में मीडिया की भूमिका ऑनलाइन शिक्षा का भारतीय परिवारों पर प्रभाव एवं, कोरोना काल में निजी व्यवसाय एवं नौकरी की स्थिति, निर्धारित किया गया था। इस प्रतियोगिता में सभी प्रतिभागियों ने अपनी पसंद के विषय पर विचार रखे और बहुत ही सारगर्भित ढंग से इस कोरोना संकट के होते हुए भी ऑनलाइन जुड़ रहे। इस प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में कुमार निशांत, उप मुख्य सुरक्षा आयुक्त एवं संतोष कुमार, वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी उपस्थित हुए। कार्यक्रम का संचालन विक्रम सिंह, वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी ने किया। इस अवसर पर विशेष रूप डी.सी.मंडल, वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी (आरपी) एवं खुर्शीद हयात, मुख्य नियंत्रक (कोचिंग) भी ऑनलाइन जुड़े और कार्यक्रम के आयोजन की सराहना में अपने विचार रखें।

केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, प्रयागराज, में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारम्भ

साभार : सूचना विभागकोर प्रयागराज। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन, (कोर) प्रयागराज, में स्वच्छता पखवाड़ा का शुभारम्भ दिनांक १६ सितम्बर २०२० को हुआ जो कि ३० सितम्बर २०२० तक चलेगा। इसी क्रम वेबिनार का आयोजन किया गया जिसका मुख्य विषय "कोविड-१६ से बचाव हेतु स्वच्छता उपाय" रहा इस बेविनार में केन्द्रीय चिकित्सालय, उमरे प्रयागराज से डा एस के हान्डू, ए सी एच डी तथा प्रयागराज मण्डल के शिव सिंह, सीडी (ई एण्ड एचएम) ने मुख्य वक्ता के रूप में सम्बोधित किया। उन्होने अपने सम्बोधन में कोविड-१६ से बचाव हेतु स्वच्छता के बहुत सारे उपाय बताये जिसको अपना कर कोविड-१६ महामारी से बचा जा सके। इस अवसर पर वरिष्ठ उप महाप्रबन्धक श्री राजेश चतुर्वेदी तथा कोर के अधिकारी एवं कर्मचारी वेबिनार के माध्यम से इसमें सम्मिलित हुए।

अभियन्ता दिवस पर कोर ने रचा इतिहास

साभार: अभियन्ता दिवस पर प्रयागराज स्थित केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन ने दिनांक १४.०६.२०२० को अपने खाते में एक दिन में सर्वाधिक वायरिंग कर अपने ही बनाए हुए पुराने कीर्तिमान को तोड़कर यह उपलब्धि दर्ज की है। रेल विद्युतीकरण करने की प्रक्रिया में सर्वप्रथम फाउंडे ान उपरान्त मास्ट लगाया जाता है तदुपरान्त वायरिंग की जाती है जिसमें वायरिंग ट्रेन के द्वारा दो तारों को लगाया जाता है जिसमें ऊपर वाला तार कैटेनरी तथा नीचे वाला कांट्रेक्ट वायर कहलाता है। इसी नीचे वाले तार के सम्पर्क में पेंटोग्राफ द्वारा विद्युत इंजन को ऊर्जा प्राप्त होती है जिससे ट्रेनों का संचालन होता है। इसके लिए एक वायरिंग ट्रेन की मदद ली जाती है दोनों तारों को एक साथ खोलना और धीमी गति से चलती हुई वायरिंग ट्रेन की मदद से ट्रैक पर लगे मास्ट पर लगाना एक जटिल प्रक्रिया है। सामान्य परिस्थितियों में कोर प्रयागराज के अधीन नौ प्रोजेक्ट इकाइयों के द्वारा मिलकर भी औसतन मात्र ३० शॉट (लगभग ४२ ट्रैक किमी) ही वायरिंग की जाती है। केन्द्रीय रेल विद्युतीकरण संगठन के महाप्रबन्धक यशपाल सिंह के कुशल निर्देशन में दिनांक १४.०६.२०२० को अभियन्ता दिवस के अवसर पर रेल विद्युतीकरण के इतिहास में पहली बार एक दिन में कुल १३८ शॉट (६० ट्रैक किलोमीटर) वायरिंग की गई। इसके पूर्व दिनांक २२.०२.२०२० को ६८ शॉट वायरिंग एक दिन में हुई थी। इसमें रेल विद्युतीकरण की लखनऊ परियोजना का सर्वाधिक योगदान (१०७ शॉट/ ७० ट्रैककिलोमीटर) रहा है। कोर मुख्यालय के अधीनस्थ कुल ०६ परियोजनाओं ने रेल विद्युतीकरण वायरिंग के इस प्रयास में अपना योगदान दिया, परन्तु लखनऊ परियोजना द्वारा उन्नाव-बालामऊ खण्ड में ७४ शॉट (५० रूट किलोमीटर) सर्वाधिक रहा है। जो की रेलवे के विद्युतीकरण के इतिहास में मील का पत्थर है। इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए महाप्रबन्धक (कोर) यशपाल सिंह, के नेतृत्व में चौबीस घण्टे कार्य की योजना बनाई गई। वायरिंग ट्रेन में उच्च शक्ति के जनरेटरों से चलती ट्रेन में भी पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था की गई। सभी मशीनों एवं कलपुर्जों की टेस्टिंग इत्यादि करके यह सुनिश्चित किया गया कि ऐन वक्त पर उनमें कोई खराबी न आये। सात टावर कार, ७ वायरिंग ट्रेन एवं तीन क्रेनों की मदद से यह कार्य संपादित किया गया। आस-पास के डिपो से मानीटरिंग के लिए कर्मचारियों को भी एकत्र किया गया। इस कार्य का नेतृत्व अरुण कुमार, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, कोर द्वारा एस. के. दुबे, मुख्य परियोजन निदेशक, रेल विद्युतीकरण, लखनऊ के सहयोग से किया गया। इस कार्य को संपादित करने के लिए योजनाबद्ध तरीके से मालगाड़ियों एवं पैसेंजर गाड़ियों को रेगुलेट करने का कार्य उत्तर रेलवे के टिम के द्वारा किया गया जिससे वायरिंग ट्रेन निर्वाध कार्य सम्पन्न हुआ।

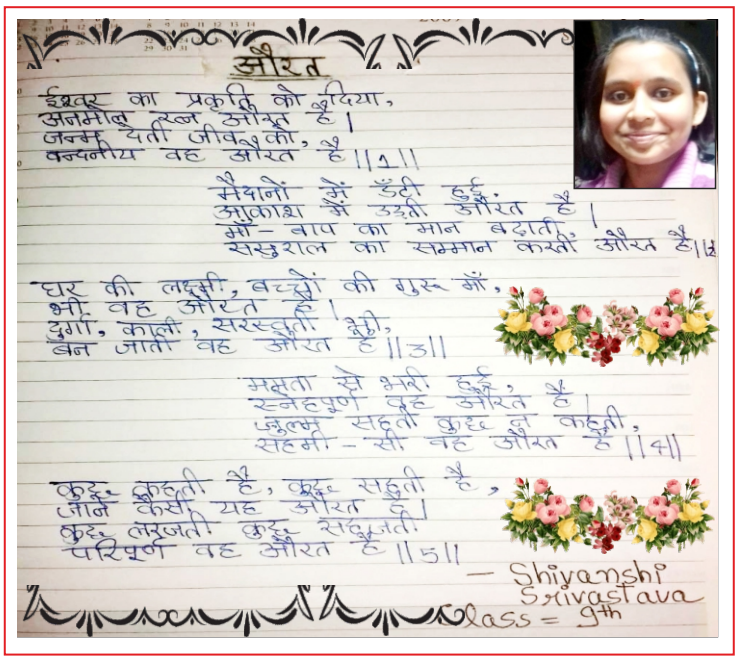

भारतेन्दु हरिशचन्द्र जयंती के अवसर पर डीरेका मे हिन्दी मौलिक रचना पाठ संगोष्ठी का आयोजन

जनसम्पर्क विभाग, डीरेका/ वाराणसी। डीजल रेल इंजन कारखाना राजभाषा विभाग के तत्वावधान में दिनांक ०१ से १४ सितम्बर तक आयोजित राजभाषा पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक ०६ सितम्बर को माइक्रोसॉफ्ट टीम्स के माध्यम से हिन्दी मौलिक रचना पाठ संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/ अतिरिक्त पुर्जा अमित सिन्हा ने कहा कि भारतेन्दु हरिचन्द्र न केवल आधुनिक हिन्दी के जन्मदाता थे, बल्कि उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से राष्ट्र निर्माण के अभियान की शुरूआत की। उनकी सोच अपने समय से बहुत आगे थी। उन्होंने उस समय स्त्री शिक्षा पर जोर दिया, जब स्त्री प्रायः घरों के भीतर रहती थीं। उन्होंने उस समय बच्चों की पत्रिका निकाली, जब बाल पत्रिका की परिकल्पना भी नही की जाती थी। अतिथियों एवं रचनाकारों का स्वागत करते हुए वरिष्ठ राजभाषा अधिकारी डॉ. संजय कुमार सिंह ने भारतेन्दु हरिचन्द्र के व्यीक्तित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने भारतेन्दु के जीवन के विविध प्रसंगों का विस्तार से वर्णन करते हुए कहा कि भारतेन्दु ने लेखकों का मंडल बनाया, जिसमें देश के प्रख्यात लेखक थे और उनसे राजनीति, इतिहास, समाज, शिक्षा इत्यादि विषयों पर लिखवाया। उन्होंने न केवल मौलिक नाटकों का मंचन किया, बल्कि अन्य भाषाओं से अच्छे नाटकों का अनुवाद कर मंचन किया। उन्होंने विद्यालय खोला और बच्चों की शिक्षा का मार्ग प्रश्स्त किया। जो आज भी हमारी जिन्दगी को रोशनी दे रहा है। हिन्दी मौलिक रचना पाठ संगोष्ठी में बड़ी संख्या में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने अपने कविताओं के माध्यम से वस्तुपरक परिस्थिति से उपस्थित लोगों को अवगत कराया । जिसमें से सर्वश्री अमित सिन्हा, विकास पाण्डेय, आलोक सिंह बेताब, ओम प्रकाश चंचल, नवल किशोर गुप्त, करुणा सिंह, अष्ट भुजा मिश्रा, डॉ शशिकांत शर्मा, सूरज प्रकाश, धर्मवीर सिंह, मिथिलेश कुमार मीठू , अरविन्द प्रताप सिंह, पूनम सिंह, संजय कुमार, विद्या सागर पाण्डेय, मनीष कुमार, रवीन्द्र नाथ सोरेन, राघवेन्द्र सिंह, मनोहर लाल मीना एवं अखलाक भारतीय प्रमुख थे। कार्यक्रम का संचालन अमलेश श्रीवास्तव एवं धन्यवाद ज्ञापन विनोद कुमार श्रीवास्तव वरिष्ठ अनुवादक ने किया ।

नागर विमानन प्रशिक्षण कालेज, बमरौली, प्रयागराज में हिन्दी पखवाड़ा आयोजित

रे.स.ब्यू./सूत्र. प्रयागराज। नागर विमानन प्रशिक्षण कालेज, बमरौली, प्रयागराज में दिनांक १४-०६-२०२० को हिन्दी पखवाड़ा का उद्घाटन समारोह ऑनलाइन आयोजित किया गया। अतुल दीक्षित, कार्यपालक निदेशक व प्रधानाचार्य ने दीप प्रज्विलित करके इस कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। शरणागत श्रीवास्तव, महाप्रबंधक (संचार) एवं विक्रम कपूर, महाप्रबंधक (वा.या.प्र.) भी इस अवसर पर उनके साथ शामिल हुए। अतुल दीक्षित ने इस अवसर पर गृह मंत्री, भारत सरकार का हिन्दी दिवस संदेश संप्रेषित करने के साथ-साथ अपने विचार व्यक्त् करते हुए कार्यालयीन काम-काज में साधारण व सहज हिन्दी के प्रयोग पर बल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यालय द्वारा ६५ प्रतिशत से अधिक हिन्दी पत्रचार इस तथ्य को परिपुष्ट करता है कि इस संस्थान के तकनीकी स्तर के होते हुए भी अधिकांश कार्मिक हिन्दी में काम-काज को प्राथमिकता देते हैं। कार्यालय में दिनांक १४ से ३० सितम्बर तक आयोजित किए जा रहे हिन्दी पखवाड़ा के दौरान कुल ०७ प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाएँगी तथा प्रत्येक प्रतियोगिता के चार सफल प्रतियोगियों को दिनांक ३० सितम्बर, २०२० को आयोजित होने वाले हिन्दी पखवाड़ा समापन समारोह के अवसर पर पुरस्कार प्रदान किए जाएँगे। कोविड-१६ की समस्या के मद्देनजर सभी प्रतियोगिताएँ ऑनलाइन आयोजित की जाएँगी। हिन्दी पखवाड़ा उद्घाटन समारोह के अवसर पर कार्यक्रम संचालन अमरेन्द्र कुमार चौधरी, वरिष्ठ प्रबंधक (राजभाषा) ने किया तथा देवकान्त पाण्डेय, सहायक प्रबंधक (राजाभाषा) ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस कार्यालय के कार्मिकों ने इस कार्यक्रम को ऑनलाइन देखा।

पीयूष गोयल
PIYUSH GOYAL

सत्यमेव जयते

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री,
भारत सरकार
Minister of
Railways and Commerce & Industry
Government of India

संदेश

"भारत माँ के भाल पर सजी स्वर्णिम बिंदी हूँ
मैं भारत की बेटी, आप की अपनी हिंदी हूँ।"

हिंदी दिवस के शुभ अवसर पर आप सबको मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ।

हिंदी दिवस भारतीय संस्कृति की अनेकता में एकता का प्रतीक है और सभी भारतीय भाषाओं के आपसी सौहार्द का दिवस भी है। किसी भी राष्ट्र, समाज और सभ्यता की पहचान उसकी अपनी भाषा से होती है। भाषा केवल संवाद की ही नहीं अपितु संस्कृति और संस्कारों की संवाहक भी होती है।

हिंदी की व्यापकता और सार्थकता को आज विश्व ने भी स्वीकार किया है। मौजूदा समय में हिंदी का विश्वव्यापी प्रसार हुआ है और यह विश्व की तीसरी सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। नए-नए शब्दों को समाहित करने का गुण, बदलते समय के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने का उत्साह इसकी जीवंतता का प्रमाण है।

भारतीय रेल और हिंदी अन्योन्याश्रित हैं। भारतीय रेल का विशाल नेटवर्क हिंदी के प्रसार में निरंतर अग्रणी भूमिका निभाता है जबकि हिंदी का देशव्यापी प्रचार भारतीय रेल को आम जनता की प्रभावी सेवा करने में सहायता करता है।

आज का युग कंप्यूटर एवं सूचना प्रौद्योगिकी का युग है। हिंदी के क्षेत्र में भी कंप्यूटर ने क्रांति की है। इंटरनेट, रेलनेट, यात्री आरक्षण प्रणाली, ई-टिकट, मोबाइल द्वारा टिकट बुकिंग, ई-मेल, रेलवे की वेबसाइट, सोशल मीडिया के साधन, जैसे ट्विटर, फेसबुक ने हिंदी को विश्व पटल पर स्थान दिलाया है। रेल मंत्रालय द्वारा तैयार किया गया "रेल राजभाषा" मोबाइल एप सरकारी काम-काज में हिंदी के प्रयोग में अत्यंत सहायक हो रहा है।

कोविड-19 जैसी वैश्विक महामारी के इस दौर में, पूरे विश्व ने भारतीय संस्कृति का अनुसरण करते हुए 'नमस्ते' को अभिवादन के तौर पर प्रयोग करना शुरू कर दिया है जो निस्संदेह भारत के लिए अत्यंत गौरव की बात है। भारत की संस्कृति और भाषाओं की महत्ता को सारा विश्व स्वीकार कर रहा है।

हिंदी दिवस के इस शुभ अवसर पर मैं सभी रेल अधिकारियों/कर्मचारियों से आग्रह करता हूँ कि आप पूरे उत्साह से अपना सरकारी काम-काज यथासंभव हिंदी में ही करने का प्रयास करें।

पीयूष गोयल

पीयूष गोयल

Rail Bhawan, New Delhi-110001, Tel. : +91-11-23386645, 23381213 Fax : +91-11-23387333

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की कृपा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशिः

१.उच्चतम अधिकारी- १५०० रु. मात्र
२.उच्च अधिकारी- १००० रु. मात्र
३.अधीनस्थ अधिकारी-७०० रु. मात्र
४.रेलकर्मी/अन्य सदस्य-५००रु.मात्र

प्रबंध संपादक
रेल समाचार ब्यूरो

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी
ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
दि. इलाहाबाद ब्लाक वर्क्स प्रा. लि. ३२६/२५५, चक, जीरो रोड, इलाहाबाद से मुद्रित एवं ५०२ पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर,कीडगंज इलाहाबाद-२११००३ से प्रकाशित। आर.एन. आई नं.५१०६७-६० पोस्ट ए.डी-८, मो.६७६३६५६०४४ ६६५१८०४७८८, ६६३५२२४८६७ फोन नं.-०५३२-२४१८०४०

संचारी रोगों के नियंत्रण को लेकर सीएम योगी सख्त

रे.स.ब्यू./सूत्र.लखनऊ। कोरोना महामारी से संघर्ष के साथ ही अन्य रोगों के नियंत्रण में किसी भी प्रकार की लापरवाही या शिथिलता न बरतने के निर्देश मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिए हैं। मंगलवार दिनांक १५.०६.२०२० को उन्होंने कहा कि संचारी रोगों की रोकथाम व नियंत्रण के लिए समयबद्ध तैयारी की जाए। वहीं प्रदेश में ०१ से ३१ अक्तूबर २०२० तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान व ०१ से १५ अक्तूबर २०२० तक दस्तक अभियान चलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना के कारण इस वर्ष जिन बच्चों का नियमित टीकाकरण छूट गया है, ऐसे वंचित शिशुओं का चिन्हीकरण कर उनका टीकाकरण कराया जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग सहित ११ विभागों की बैठक में कहा कि जेई-एईस व संचारी रोगों के नियंत्रण के लिए व्यापक जागरूकता का कार्यक्रम संचालित किया जाए और पोस्टर, हैंडबिल, इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट मीडिया के माध्यम से विशेष जागरूकता अभियान चलाया जाए। बैठक में स्वास्थ्य मंत्री जय प्रताप सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

पूरा हुआ प्रयाग-फाफामऊ रेल सेक्शन पर दोहरीकरण का कार्य

रे.स.ब्यूरो./संवा. नई दिल्ली। रेलवे अपने आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के लिए कोरोना लॉकडाउन अवधि के दौरान भी लगातार कार्य करती रही है। वहीं उत्तर एवं उत्तर-मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, राजीव चौधरी ने बताया कि प्रयाग-फाफामऊ रेल सेक्शन पर दोहरीकरण का कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। दिनांक ०६.०६.२०२० को रेल संरक्षा आयुक्त ने इस सेक्शन का निरीक्षण किया। १३० किलोमीटर प्रति घंटा की गति सीमा पर स्पीड़ ट्रायल सफलतापूर्वक किया गया। रेल संरक्षा आयुक्त की मंजूरी के बाद नए दोहरीकृत इलाहाबाद- फाफामऊ रेल सेक्शन पर पैसेंजर एवं माल रेलगाडियों को सभी अस्थायी और स्थायी एसआर को ध्यान में रखते हुए १०० किलोमीटर प्रति घंटा की अधिकतम गति सीमा से चलाया जा सकता है। बतादें कि प्रयाग-प्रयाग घाट रेल सेक्शन मे विद्युतीकरण का कार्य भी पूरा कर लिया गया है और रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा इसका निरीक्षण भी कर लिया गया है। दोहरीकृत और विद्युतीकृत हो जाने से इस सेक्शन की लाइन क्षमता बेहतर होगी और रेल यातायात सुगम होगा। साथ ही रेलवे इस क्षेत्र में और भी लम्बी दूरी की रेलगाड़ी शुरू कर सकेगी।

सभी जेड.आर.यू.सी.सी./डी.आर.यू.सी.सी. के सदस्यों को समाचार भेजने का अनुरोध

उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा रही है। कृपया अपने परिक्षेत्र में हुए रेल सुधारो/सुझाव के बारे में अपना लेख प्रकाशन हेतु हमें भेजने की कृपा करें।

प्रधान सम्पादक : ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव
9793956044, 9935224867

उत्तर मध्य रेलवे द्वारा अतिरिक्त विशेष गाड़ियों का संचालन

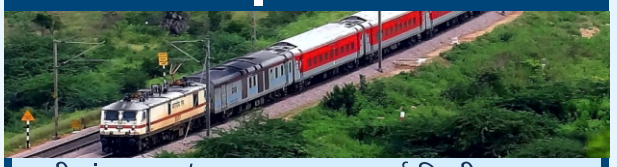

गाड़ी सं. 02275/02276 प्रयागराज–नई दिल्ली
हमसफर सुपरफास्ट एक्सप्रेस स्पेशल (प्रतिदिन)
प्रयागराज से : 02275, प्रतिदिन, 12.09.2020 से
नई दिल्ली से : 02276, प्रतिदिन, 13.09.2020 से
गाड़ी संरचना : एसएलआर–02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी–14
स्लीपर श्रेणी–04

गाड़ी सं. 02275 प्रयागराज–नई दिल्ली		स्टेशन	गाड़ी सं. 02276 नई दिल्ली–प्रयागराज	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	22.20	प्रयागराज	06.20	--
00.30	00.35	कानपुर सेंट्रल	03.27	3.32
06.15	--	नई दिल्ली	--	22.15

गाड़ी सं. 01107/01108
ग्वालियर–मंडुवाडीह एक्सप्रेस स्पेशल (प्रतिदिन)
ग्वालियर से : 01107, प्रतिदिन, 12.09.2020 से
मंडुवाडीह से : 01108, प्रतिदिन, 13.09.2020 से
गाड़ी संरचना : एसएलआर/डी–02, सामान्य श्रेणी–06
स्लीपर श्रेणी–06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी–04, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी–02, वातानुकूलित प्रथम सह तृतीय श्रेणी–01

गाड़ी सं. 01107 ग्वालियर–मंडुवाडीह		स्टेशन	गाड़ी सं. 01108 मंडुवाडीह–ग्वालियर	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	20.55	ग्वालियर	08.40	--
21.32	21.34	डबरा	06.46	6.48
22.00	22.02	दतिया	06.22	06.24
22.45	22.50	झांसी	05.55	06.00
23.18	23.19	निवाड़ी	04.38	04.40
23.48	23.50	मऊरानीपुर	04.08	04.10
00.13	00.15	हरपालपुर	03.38	03.40
00.35	00.36	बेलाताल	03.00	03.01
00.49	00.50	कुलपहाड़	02.37	02.38
01.08	01.10	महोबा	02.18	02.20
02.22	02.27	बांदा	01.25	01.30
02.55	02.57	अतर्रा	00.29	00.31
03.23	03.25	चित्रकूटधाम	00.01	00.03
04.35	04.40	मानिकपुर	23.30	23.35
05.33	05.35	शंकरगढ़	22.10	22.11
06.16	06.18	नैनी	21.39	21.40
06.45	07.10	प्रयागराज	20.55	21.20
11.05	--	मंडुवाडीह	--	16.30

अन्य ठहराव : प्रयाग, फूलपुर, जंघई, सुरियावां, भदोही, चौखंडी

गाड़ी सं. 01841/01842
खजुराहो–कुरुक्षेत्र एक्सप्रेस स्पेशल (प्रतिदिन)
खजुराहो से : 01841, प्रतिदिन, 12.09.2020 से
कुरुक्षेत्र से : 01842, प्रतिदिन, 13.09.2020 से
गाड़ी संरचना : एसएलआर/डी–02, सामान्य श्रेणी–10
स्लीपर श्रेणी–05, वातानुकूलित प्रथम सह द्वितीय श्रेणी–01
वातानुकूलित तृतीय श्रेणी–02, वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी–01

गाड़ी सं. 01841 खजुराहो–कुरुक्षेत्र		स्टेशन	गाड़ी सं. 01842 कुरुक्षेत्र–खजुराहो	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
--	18.35	खजुराहो	08.00	--
19.08	19.10	छतरपुर	06.22	6.24
19.32	19.34	इशानगर	05.59	06.01
19.57	19.59	खड़गपुर	05.33	05.35
20.43	20.45	टीकमगढ़	04.48	04.50
21.07	21.09	उदयपुरा	04.24	04.26
21.50	22.15	ललितपुर	03.30	03.50
23.30	23.50	झांसी	02.05	02.25
01.15	01.17	ग्वालियर	00.10	00.12
02.28	02.30	धौलपुर	22.58	23.00
03.07	03.12	आगरा कैण्ट	22.15	22.20
05.25	05.30	मथुरा	21.22	21.27
05.58	05.59	छाता	20.55	20.56
06.10	06.12	कोशीकलां	20.41	20.43
6.24	06.25	होडल	20.29	20.30
12.40	--	कुरुक्षेत्र	--	14.55

अन्य ठहराव : पलवल, फरीदाबाद, निजामुद्दीन, नई दिल्ली, सब्जी मण्डी, सोनीपत, समालखा, पानीपत, करनाल, नीलोखेड़ी

नोट : (i) उपरोक्त सभी गाड़ियां पूर्ण रूप से आरक्षित रहेंगी।
(ii) इन ट्रेनों में बुकिंग 10 सितम्बर 2020 से प्रारम्भ होगी।

उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज

944/20(R) North central railway @ CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in